

प्रदेश की चार हस्तियाँ को पद्म शरी से सम्मानति

चर्चा में क्यों?

5 अप्रैल, 2023 को नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित पद्म पुरस्कार (द्वितीय संस्करण) में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान की चार हस्तियों को पद्मशरी से सम्मानति कथि।

प्रमुख बदि

- पद्म पुरस्कार के दूसरे संस्करण में सामाजिक कार्य, सार्वजनिक जीवन, वज्जान, अभियांत्रिकी, व्यापार, उद्योग, मेडसिनि साहित्य, शक्तिषा, खेल, सविलि सेवा और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली नामचीन हस्तियों को देश के सर्वश्रेष्ठ नागरिक पुरस्कारों पद्म वभिषण, पद्म भूषण और पद्म शरी से सम्मानति कथि गया।
- उल्लेखनीय है कि 25 जनवरी, 2023 को इन पुरस्कारों के वज्जिताओं के नामों की घोषणा की गई थी। उन वज्जिताओं को गत 22 मार्च को राष्ट्रपति भवन में आयोजित पद्म पुरस्कार सम्मान समारोह के पहले संस्करण में पुरस्कार प्रदान कथि गए थे। शेष बचे हुए पुरस्कार वज्जिताओं को अब राष्ट्रपति ने पद्म पुरस्कारों से सम्मानति कथि।
- प्रदेश के पुरस्कार प्राप्त करने वालों में गज़ल गायकी और शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लथि अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन को, सामाजिक कार्य के लथि डूंगरपुर के सामाजिक कार्यकर्ता मूलचंद लोढ़ा को और सामाजिक क्षेत्र में ही उत्कृष्ट कार्य हेतु जयपुर के लक्ष्मण सहि लापोडथिा शामिल हैं।
- डूंगरपुर ज़िला के आदविसी बहुल बांगड़ इलाके से ताल्लुक रखने वाले मूलचंद लोढ़ा आदविसियों के उत्थान के लथि जागरण जन सेवा मंडल नामक संस्था चलाते हैं। मूलचंद लोढ़ा इस क्षेत्र के आदविसी और पछिड़े इलाकों में चकितिसा, शक्तिषा और आदविसियों के कल्याण के लथि पछिले 5 दशक से लगातार कार्य कर रहे हैं। इनके उत्कृष्ट कार्यों के लथि उन्हें वर्ष 2023 का पद्म शरी सम्मान दथिा गया है।
- गज़ल गायकी के उस्ताद अहमद हुसैन तथा मोहम्मद हुसैन बंधुओं का पहला एलबम गुलदस्ता 1980 में रलीज हुआ था और अभी तक इनके 50 से जयादा एलबम आ चुके हैं। वर्ष 2000 में इनको संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानति कथिा जा चुका है।
- हुसैन बंधुओं ने पूरी दुनथिा में गज़ल और शास्त्रीय संगीत के चैरटी शो करके समाज सेवा में भी काफी योगदान दथिा है।
- लक्ष्मण सहि लापोडथिा को भी राष्ट्रपति द्वारा पद्म पुरस्कार सम्मान समारोह के पहले संस्करण के दौरान 22 मार्च को पद्म शरी से सम्मानति कथिा जा चुका है।
- उन्होंने जयपुर ज़िले में जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कथिा है। जल संरक्षण के लथि परंपरागत चौका पद्धति से 5 लाख वर्ग मीटर ज़मीन को सचिति और उपजाऊ बनाया है। इलाके के करीब 100 गाँवों में जल संरक्षण के लथि उन्होंने उल्लेखनीय कार्य कथिे हैं।



